

भारत द्वारा G-20 की अध्यक्षता, और कृषि परिदृश्य

अमित सिंह

सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंस, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

*Corresponding author email: irectcamit213@gmail.com

इंडोनेशिया के बाली में 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत को G20 की अध्यक्षता सौंपी गई। भारत '1 दिसंबर' से शक्तिशाली समूह G20 की अध्यक्षता कर रहा है। यह प्रत्येक भारतवासी के लिए बहुत बड़ा अवसर है। विशेषज्ञों द्वारा वैश्विक देशों के इस महत्वपूर्ण समूह की अध्यक्षता करने के कई मायने समझे जा रहे हैं। भारत को G20 की अध्यक्षता मिलना इस बात को दर्शाता है कि भारत वैश्विक ताकतों के बीच विश्व नेता बन कर उभरा है। अब ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम भारत की सोच और सामर्थ्य से, भारत की संस्कृति और समाज शक्ति से विश्व को परिचित कराएं। ये हमारा दायित्व है कि हम अपनी हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति की बौद्ध कला और उसमें समाहित आधुनिकता से विश्व का ज्ञान वर्धन करें।

कृषि परिदृश्य



लोगों के आहार में बाजरा, अन्य पौष्टिक अनाज, फल और सब्जियां, मछली, डेयरी और जैविक उत्पादों सहित पारंपरिक खाद्य पदार्थों को फिर से शामिल करने पर जोर दिया देना चाहिए, उनका उत्पादन हाल के वर्षों में भारत में अभूतपूर्व रहा है और भारत स्वस्थ खाद्य पदार्थों के लिए एक गंतव्य देश बनता जा रहा है।

कुपोषण को दूर करने के लिए बायोफोर्टिफाइड किस्मों, जो सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर मुख्य आहार का स्रोत हैं, को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों के हिस्से के रूप में 'गरीबी उन्मूलन' और 'शून्य भूख लक्ष्य' हासिल करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखें। उत्पादकता बढ़ाने के लिए अनुसंधान और विकास के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान में सहयोग करें।

क्या है G20

G20 ग्रुप का गठन सन् 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल कर वैश्विक स्थिरता को सुरक्षित करना है। G20 देशों में दुनिया

की 60% आबादी, वैश्विक GDP का 85% और वैश्विक व्यापार का 75% शामिल है। G20 ग्रुप में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। G20 सम्मेलन में स्पेन को स्थायी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

भारत के लिए क्यों अहम

इस मंच की सबसे बड़ी बात है हर साल शिखर सम्मेलन में दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं की आपस में मुलाकात। साथ ही इस साल भारत जी20 की अध्यक्षता ग्रहण कर रहा है। भारत के सामने इसे लेकर कठिन चुनौतियां हैं। भारत की G20 प्राथमिकताओं में समावेश, न्यायसंगत और सतत विकास, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, और तकनीक-सक्षम विकास, जलवायु वित्तपोषण, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा, अन्य शामिल हैं। जी-20 समिट में इस बार के दुनिया के शीर्ष नेता आपस में मुलाकात करेंगे। इस बार भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन हिस्सा ले रहे हैं। माना जा रहा है कि भारत कई व्यापार समझौतों पर अलग-अलग देशों से बात कर सकता है। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी कई नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

